जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

30 नवंबर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में एनसीएईआर के सीनियर फेलो श्री देवेन्द्र प्रताप द्वारा 'इनपुट-आउटपुट एनालिसिस एंड सोशल एकाउंटिंग मैट्रिक्स: ए मल्टीप्लायर एनालिसिस पर सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अर्थशास्त्र विभाग ने 28 नवंबर, 2023 को 'इनपुट-आउटपुट विश्लेषण और सामाजिक लेखांकन मैट्रिक्स: एक गुणक विश्लेषण' विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर), नई दिल्ली के वरिष्ठ फेलो श्री देवेंद्र प्रताप द्वारा दिया गया था।

जामिया के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अशरफ इलियान ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में नीति विश्लेषण और अनुसंधान में विषय के महत्व पर प्रकाश डाला। व्याख्यान श्रृंखला के समन्वयक डॉ. मो. ज़कारिया सिद्दीकी ने वक्ता का परिचय दिया।

श्री प्रताप ने विषय की पृष्ठभूमि बताते हुए, अर्थशास्त्र और मात्रात्मक विश्लेषण के क्षेत्र में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए व्याख्यान की शुरुआत की। उन्होंने हिर्शमैन के लिंकेज विश्लेषण, राजकोषीय लिंकेज और गुणक विश्लेषण के माध्यम से दर्शकों को जटिल आर्थिक संबधों की व्यापक समझ प्रदान की।

व्याख्यान में इनपुट-आउटपुट विश्लेषण के मूलभूत सिद्धांतों पर प्रकाश डाला गया, एक विश्लेषणात्मक तकनीक के रूप में इसके महत्व और विशिष्ट विशेषताओं पर जोर दिया गया। श्री प्रताप ने भारतीय राष्ट्रीय खातों के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता का हवाला देते हुए आर्थिक विश्लेषण में इस तकनीक की आवश्यकता को कलात्मक रूप से रेखांकित किया।

श्री प्रताप द्वारा पालिसी शॉक्स की विस्तृत जांच के साथ-साथ इनपुट-आउटपुट मॉडल के व्यापक दायरे की खोज पर विशेष जोर दिया गया था। भारतीय व्यापक आर्थिक परिदृश्य से वास्तविक दुनिया के उदाहरणों ने इन मॉडलों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को चित्रित किया, जिससे दर्शकों को बेहतर समझ प्राप्त हुई। श्री प्रताप की व्याख्या का एक अन्य केंद्र बिंदु सामाजिक लेखांकन मैट्रिक्स का अनुप्रयोग था, जो एक व्यापक आर्थिक विश्लेषण को शामिल करने के लिए इनपुट-आउटपुट मॉडल का विस्तार करता है।

अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. शाहिद अहमद के विशेष इंटरवेंशन से व्याख्यान समृद्ध हुआ, जिन्होंने बेहतर अनुसंधान और नीति विश्लेषण के लिए इन डेटा सेटों और कौशलों को सीखने पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर अशरफ इलियान द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया